जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 28 मई 2025

वर्ष -12, अंक-22

मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

Inside
page 06

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

तिरंगा यात्रा में आई अच्छी भीड़ तो खुश हो गए कांग्रेस के नेता

कांग्रेस की तिरंगा यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पटवारी के आगमन के इंतजार में लंबी चलाई सभा
कांग्रेस के आयोजन में महिलाओं की जोरदार उपस्थिति

इंदौर। इंदौर शहर और जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा आयोजित जय हिंद तिरंगा यात्रा में आई भीड़ से कांग्रेस के नेता खुश हो गए। इस यात्रा में महिलाओं की उपस्थिति खास तौर पर उल्लेखनीय थी। यात्रा के समापन पर आयोजित सभा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आगमन के इंतजार में लंबा चलाया गया।

कांग्रेस के नेताओं को सबसे बड़ा तनाव जय हिंद तिरंगा यात्रा में भीड़ के आने को लेकर था। यह पहले से ही स्पष्ट हो गया था कि कांग्रेस के मध्य प्रदेश के प्रभारी महासचिव हरीश चौधरी इस आयोजन में भाग लेने के लिए नहीं आ रहे हैं। इसके साथ ही यह भी स्पष्ट हो चुका है कि कांग्रेस के द्वारा मध्य प्रदेश में गुजरात फार्मूला लागू किया जा चुका है ऐसे में अब किसी भी कांग्रेस के नेता को कोई पद पाने में प्रदेश का कोई नेता मदद नहीं कर पाएगा। ऐसी स्थिति में भीड़ को लेकर शंका हो रही थी।

इन सारी चिंताओं का जवाब यात्रा का समय होते-होते सामने आ गया। कांग्रेस के आयोजन के लिहाज से यदि देखा जाए तो इस यात्रा में अच्छी भीड़ जमा हो गई। इसमें भी खास तौर पर महिलाओं की भारी संख्या कांग्रेस के नेताओं को उत्साहित करने वाली थी। इस तिरंगा यात्रा के दौरान यात्रा में शामिल लोगों के हाथों में बड़ी संख्या में तिरंगा झंडा था। सेना की जय जय कार हो रही थी। कांग्रेस की यात्रा में भारत मां की जय और जय हिंद के नारे भी खूब लग रहे थे। इस यात्रा की शुरुआत कांग्रेस नेताओं के द्वारा मधुमिलन चौराहे पर स्थित देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के साथ की गई। कांग्रेस का दावा तो यह भी था कि यात्रा के समापन के मौके पर अंबेडकर प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया जाएगा। कांग्रेस के नेताओं ने इस बात का ध्यान नहीं रखा की अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के लिए सीढी लगवाना है। वहां ना तो सीढी लगवाई गई और ना हीं कोई नेता माल्याअर्पण करने के लिए वहां पर गया।

यात्रा के समापन के मौके पर गीता भवन चौराहे के पास में ही सभा करने की तैयारी की गई थी। वैसे तो यह सभा छोटी ही होना थी लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी दिल्ली से आ रहे थे तो उनके आगमन को ध्यान में रखते हुए सभा को लंबा चलाया गया। पटवारी की फ्लाइट लेट हो जाने के कारण जब फिर भी वे नहीं पहुंच सकें, तो आखिरकार सभा को समाप्त कर दिया गया। जब सब कुछ हो गया तो उसके बाद में पटवारी वहां पहुंचे और कांग्रेस नेताओं से मिलें।

यातायात का हो गया कबाड़ा

इस यात्रा के आयोजन की अनुमति पुलिस और जिला प्रशासन के द्वारा दी गई थीं। इसके बावजूद यात्रा को ध्यान में रखते हुए यात्रा के मार्ग के यातायात को दूसरे रास्ते पर नहीं भेजा गया। इसका परिणाम यह हुआ कि मधु मिलन चौराहा और वहां से लेकर गीता भवन चौराहे तक पूरे रास्ते में जाम लग गया। मधु मिलन चौराहे पर लगे जाम के कारण आरएनटी मार्ग पर रीगल टॉकीज की तरफ, छावनी की तरफ और एम वाय की रोड पर भी जाम लग गया। यात्रा के क्षेत्र में पुलिसकर्मी तो तैनात थे यह पुलिसकर्मी जब यात्रा शुरू हो गई तब गाड़ियों को दूसरे रास्ते से जाने के लिए कहने लगे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इस सभा को मध्यप्रदेश के प्रभारी सचिव संजय दत्त, सज्जन सिंह वर्मा, सुरजीत सिंह चड्ढा, सदाशिव यादव, चिंटू चौकसे, रीना बौरासी, पिंटू जोशी ने संबोधित किया। इस यात्रा में भीड़ जुटाने में सोनाली मिमरोट, अमन बजाज, दीपू यादव, राजेश चौकसे, अर्चना जायसवाल, गजेंद्र वर्मा, मोती सिंह पटेल, अमित चौरसिया, अरविंद बागड़ी, रघु परमार ने ताकत लगाई।

राइजिंग इंदौर अब risingindore.com और MAGZTER.com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

मेट्रो वाला शहर बन जाएगा इंदौर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को जब भोपाल में बैठकर इंदौर की मेट्रो को हरी झंडी दिखाएंगे तो फिर इंदौर मेट्रो वाला शहर बन जाएगा। इसके साथ ही इंदौर एक नए युग में प्रवेश करेगा। इस सौगात का इंदौर के नागरिक बहुत समय से इंतजार कर रहे हैं।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। यह लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर है, जिसमें पांच स्टेशन - गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 5 स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 4 स्टेशन और सुपर कॉरिडोर 3 स्टेशन शामिल हैं। यह कॉरिडोर ट्रैफिक और प्रदूषण कम करेगा, साथ ही यात्रियों को आरामदायक सफर प्रदान करेगा। यह सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इंदौर की आधुनिकता की ओर बढ़ती दिशा का प्रतीक भी है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज गांधी नगर मेट्रो स्टेशन का दौरा कर लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया। इंदौर में मेट्रो ट्रेन की शुरुआत इसी स्टेशन से होगी। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा अपर आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा और मेट्रो के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इंदौर में कुल 31.32 किलोमीटर लंबी (22.62 किमी एलेवेटेड एवं 8.7 किमी भूमिगत) इस मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज़, और पर्यावरण के अनुकूल बनाएंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7500 करोड़ रुपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन होना है जिसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रूपये है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इंदौर मेट्रो की खास बातें

- वातानुकूलित, प्रदूषण रहित आधुनिक कोच।
- एक ट्रेन की यात्री क्षमता- लगभग 980 यात्री।
- सभी स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर।
- दिव्यांगजनों के लिए ब्रेल लिपि और स्पर्शनीय टाइलें।
- सभी स्टेशन व डिपो पर सीसीटीवी कैमरे और अग्निशमन उपकरण।
- यात्रियों की सुरक्षा हेतु आपातकालीन बटन और इंटरकॉम ।
- दृष्टिहीन यात्रियों के लिए ऑडियो अनाउंसमेंट प्रणाली।
- व्हीलचेयर, बैठने की सुविधा, शौचालय, पीने का पानी।
- QR आधारित टिकटिंग, AI ट्रैकिंग, कंट्रोल सेंटर।

सीनियर सिटीजन बिल्डिंग का अब शुरू होगा संचालन

प्राधिकरण ने पूरी कर ली तैयारी अब किराया निर्धारण की बारी

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा निर्मित की गई सीनियर सिटीजन बिल्डिंग के लिए इसी सप्ताह से आवंटन शुरू हो जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण के द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। अब किराया का निर्धारण करने की बारी है।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

प्राधिकरण द्वारा योजना क्रमांक 134 में स्टार चौराहे के पास नवनिर्मित सीनियर सिटीजन प्रोजेक्ट का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। गत दिनों मुख्य कार्यपालिक अधिकारी आर पी अहिरवार ने प्रोजेक्ट का दौरा किया एवं शुभारंभ के पूर्व आवश्यक निर्देश दिए। अहिरवार ने बताया कि यह भवन प्राधिकरण द्वारा पूर्ण निर्मित कर इसके संचालन हेतु एजेंसी नियुक्त कर दी गई है। यह एजेंसी शीघ्र ही अपना कार्य प्रारंभ करेगी। सीनियर सिटीजन के संतुलित जीवन से संबंधित सभी सुविधाएं इस भवन में उपलब्ध होगी। इसके लिए आमंत्रित निविदा में ही आवश्यक निर्देश एवं शर्तों का समावेश किया गया है जिनका पालन करना एजेंसी को अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि इस योजना की लागत लगभग साढे 18 करोड रुपए है। इसके अंतर्गत एक बीएचके के 10 एवं दो बीएचके के 22 फ्लैट का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त रोजमर्रा की जरूरत को पूरी करने हेतु

आठ दुकानों का भी निर्माण किया गया है। इसमें कार पार्किंग एवं दो पहिया वाहन के लिए पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। सीनियर सिटीजन हेतु एक्टिविटी एरिया, डायनिंग एरिया, किचन आदि का पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉक्टर फिजियोथैरेपी एवं अन्य अस्पताल से संबंधित सेवाओं का भी समावेश किया गया है। सुरक्षा के पूर्ण प्रबंध इस योजना के अंतर्गत किए गए हैं, जिसमें सीसीटीवी कैमरे से लेकर गार्ड आदि की व्यवस्था संपूर्ण समय रहेगी। इस भवन के संचालन के लिए नियुक्त की गई एजेंसी के प्रतिनिधि इंदौर पहुंच गए हैं। अब इस सप्ताह इस भवन के फ्लैट किराए पर आवंटित करने के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्रक्रिया को शुरू करने से पहले इन फ्लैट के किराए की राशि को भी फाइनल किया जाएगा।

लग्जरी सुविधा मिलेगी

इस भवन में रहने के लिए आने वाले बुजुर्गों को लग्जरी सुविधा मिलेगी। इसके लिए प्राधिकरण के द्वारा ठेका लेने वाले फर्म के साथ मिलकर पूरी तैयारी की जा रही है। कई बार प्राधिकरण के अधिकारियों के सामने ऐसा मामला आता है कि बच्चे विदेश में जाकर सेटल हो जाते हैं और फिर वह चाहते हैं कि उनके माता-पिता यहां पर इस तरह के किसी आश्रम में सुविधाजनक तरीके से रहते हुए अपने जीवन की सांझ को निकाले। इन बच्चों के लिए पेमेंट करना कोई चुनौती नहीं होता है लेकिन उनकी इच्छा होती है कि उनके माता-पिता को हर तरह की पूरी सुविधा मिलना चाहिए। ऐसी इच्छा की पूर्ति प्राधिकरण के इस प्रोजेक्ट से हो जाएगी।

पांच विभागों की कमेटी बनाई

प्राधिकरण के द्वारा इस सीनियर सिटीजन बिल्डिंग के संचालन के कामकाज पर नजर रखने के लिए पांच विभागों के अधिकारियों की एक कमेटी बनाई गई है। प्राधिकरण के संचालक मंडल की पिछली बैठक में इस कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी में प्राधिकरण के अलावा जिला प्रशासन, इंदौर नगर निगम, पुलिस और सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी को लिया गया है।

शिवराज की पदयात्रा के हैं बहुत मायने...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा निकाल रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी व बेटे-बहू भी चल रहे हैं। मध्य प्रदेश की राजनीति के लिहाज से देखा जाए तो इस पदयात्रा के बहुत मतलब है। एक सबसे बड़ी चीज तो साफ है कि इस पदयात्रा के माध्यम से शिवराज सिंह चौहान अपने आप को मध्यप्रदेश से जोड़कर रखना चाहते हैं और दिल्ली तक यह संदेश देना चाहते हैं कि मैं प्रदेश का हूं और प्रदेश मेरा है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अच्छी तरह से जानते हैं कि कैसे लोगों से जुड़े रहना है। मध्यप्रदेश की सियासत में उनकी पहचान पांव-पांव वाले भैया के रूप में थी। शिवराज सिंह चौहान खड़ा हो जाते हैं तो वहां भीड़ जमा हो जाती है। केंद्र की राजनीति में शिफ्ट होने के बाद उनकी सक्रियता मध्यप्रदेश में कम हो गई है। अपनी मौजूदगी को बनाए रखने के लिए वह अपने संसदीय क्षेत्र में विकसित भारत संकल्प यात्रा कर रहे हैं। लेकिन इस यात्रा के जरिए शिवराज सिंह चौहान कुछ और साधना चाहते हैं।

शिवराज सिंह चौहान के साथ पदयात्रा में क्षेत्र के बीजेपी नेताओं के साथ-साथ उनका परिवार भी चल रहा है। साथ ही पत्नी साधना सिंह चौहान चल रही हैं। वहीं, बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान और बहू अमानत बंसल भी चल रही। दोनों सास-ससुर के साथ कदमताल करते चल रहे हैं। वहीं, छोटे बेटे कुणाल और उनकी पत्नी साथ में नहीं दिख रही हैं। हालांकि दोनों का सियासत से कोई लेना देना नहीं है।

एमपी से दिल्ली शिफ्ट होने के बाद शिवराज सिंह चौहान के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने वजूद को कायम रखें। दिल्ली गए प्रदेश के नेताओं का हाल वह देख चुके हैं। इसी वजह से तमाम तरह की व्यस्तताओं के बावजूद वह सप्ताह में एक-दो दिन एमपी आना नहीं भूलते हैं। सीहोर और विदिशा शिवराज सिंह चौहान का गढ़ रहा है। विधानसभा चुनाव वह सीहोर से जीतते रहे हैं और लोकसभा विदिशा से। अपने क्षेत्र में पदयात्रा निकालकर अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं। साथ ही जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं से इसके जरिए संवाद भी स्थापित कर रहे हैं।

बेटे जमा रहे हैं पैर

वहीं, बुधनी विधानसभा शिवराज सिंह चौहान की पारंपरिक सीट रही है। इस बार उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान को उम्मीद थी कि पिता की विरासत को संभालने का मौका पार्टी मुझे ही देगी। उम्मीदवारों के पैनल में कार्तिकेय का नाम भी था लेकिन दिल्ली से मुहर नहीं लगी। इसे लेकर कार्तिकेय सिंह चौहान का दर्द भी छलका था। इसके बावजूद उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। पिता के जाने के बाद भी बुधनी क्षेत्र में कार्तिकेय सिंह चौहान लगातार एक्टिव रहते हैं। अब उनके साथ स्थानीय कार्यक्रमों में पत्नी अमानत बंसल भी दिखती हैं। अब शिवराज सिंह चौहान की पदयात्रा में भी कार्तिकेय और अमानत दोनों दिख रहे हैं।

मकसद है क्लियर

सियासी समझ रखने वाले लोग मानते हैं कि इससे साफ है कि शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा के जरिए एमपी की राजनीति में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहते हैं। दूसरी समस्या यह है कि उनके बाद फैमिली से किसी की पॉलिटिक्ल लॉन्चिंग नहीं हुई है। बेटे कार्तिकेय लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। मगर उम्मीद कायम है। ऐसे में शिवराज सिंह की पुरजोर कोशिश होगी कि अगले चुनाव में बेटे की दावेदारी मजबूत हो।

दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जांच का मामला दर्ज

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर नगर निगम के दो आईएएस अधिकारियों के खिलाफ जांच का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले से नगर निगम में हड़कंप मच गया है।

इंदौर लोकायुक्त ने पूर्व नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह और स्मार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। यह शिकायत पूर्व पार्षद दिलीप कौशल ने दी थी। लोकायुक्त इस मामले की विस्तृत जांच करेगा। सहायक यंत्री देवेश कोठारी को भी आरोपी बनाया गया है।

दोनों अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने स्मार्ट सिटी के कार्यों के लिए संविदा पर पदस्थ किए सिविल इंजीनियर को नगर निगम इंदौर में नियमित भवन अधिकारी के पद की योग्यता नहीं होने के बाद भी पदस्थ किया। साथ ही इन्हें विविध प्रकार के अधिकार देकर उपकृत किया।

साथ ही यंत्री देवेश कोठारी को संविदा सेवक होने के तथ्यों को छिपाकर भवन अधिकारी की हैसियत से लगभग लगभग 250 मानचित्र अवैध डिजिटल हस्ताक्षर से स्वीकृत किए।

इनसे नक्शे पास कर कमाया धन

पूर्व पार्षद दिलीप कौशल की शिकायत पर यह प्रकरण जांच में लिया गया है। इसमें आरोप है कि नियम विरुद्ध पदस्थ कोठारी द्वारा झोन क्रमांक 13 पर भवन अधिकारी की हैसियत से वास्तविक तथ्यों को छिपाकर निर्माणाधीन सैकड़ो भवनों को अवैध निर्माण सूचना-पत्र देकर बिल्डर्स से अवैध धन अर्जित करने के कारण किसी भी भवन से अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई नहीं की।

अवैध निर्माण हटाने कि कार्रवाई नहीं की। निगमायुक्त हर्षिका सिंह और ष्टश्वह्र स्मार्ट सिटी दिव्यांक सिंह को संविदा सेवक होने की जानकारी के बाद भी देवेश कोठारी को भवन अधिकारी के पद पर पदस्थ रखकर उसके विरुद्ध जांच आदि कार्रवाई प्रस्तावित नहीं की।

संपादकीय...

पूरा देश चाहता था एक बार में हो फैसला

पहलगाम में आतंकवादियों के द्वारा किए गए हमले के बाद पूरे देश में गुस्से का माहौल बन गया था। सारे राजनीतिक दल एक सुर में बात कर रहे थे। हर कोई न केवल आतंकवादियों की निंदा कर रहा था बल्कि इन आतंकवादियों का समर्थन करने के लिए पाकिस्तान को कोसने में भी कोई कमी नहीं रख रहा था। जनता की इस भावना को देश की सरकार ने समझा था प्रोग्राम सरकार ने ऐलान कर दिया था कि अब ऐसा जवाब देंगे की जीवन में आगे कभी ऐसी गतिविधि भारत में करने के बारे में सोच भी नहीं सकेंगे। इसके बाद भारत सरकार ने सी को आदेश

■ गौरव गुप्ता

देकर पाकिस्तान में चलने वाले आतंकवादियों के ठिकाने पर हमला करवाया। इस हमले के बाद अचानक अमेरिका के हस्तक्षेप से युद्ध विराम घोषित हो गया। यह युद्ध विराम देश की जनता को आज तक नहीं पच पा रहा है। जनता आज भी यह चाहती है कि एक बार में आर या पार का फैसला होना चाहिए। अब देश की सरकार को जनता को यह बताना चाहिए कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी थी जो हमने युद्ध विराम को स्वीकार किया। वैसे देश के प्रधानमंत्री बार-बार यह कह रहे हैं कि अभी तो हमने केवल ट्रेलर दिखाया है, फिल्म अभी बाकी है। देश की जनता भी फिल्म देखने के लिए उत्साहित है...

दहेज विरोधी कानून का हो रहा है दुरुपयोग- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दहेज उत्पीड़न और क्रूरता के प्रावधानों का दुरुपयोग हो रहा है पत्नी द्वारा पुलिस रिपोर्ट कर आपराधिक मामलों में पति के साथ-साथ सास ससुर विवाहित बहन नजदीक रिश्तेदारों को भी आरोपी बनाया जा रहा है जिससे पूरी शिकायत पर गंभीर संदेह उत्पन्न हो जाता है केवल हवा में आरोप लगाए जाते हैं ना घटना का समय रहता है ना घटना का दिनांक रहता और घटना की कोई प्रामाणिकता सिद्ध नहीं होती।

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज विरोधी कानून के दुरुपयोग पर एक महत्वपूर्ण निर्णय देते कहा कि वैवाहिक मामलों में पत्नियों द्वारा पतियों के रिश्तेदारों विशेषकर बुजुर्ग माता-पिता के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और क्रूरता के प्रावधान का दुरुपयोग कर रहे हैं क्रूरता शब्द का दुरुपयोग किया जा रहा है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का निर्णय रद कर याचिकाकर्ता को किया बरी

सुप्रीम कोर्ट ने दहेज विरोधी कानून के दुरुपयोग पर को चिंता जताई। वैवाहिक मामलों में पत्नियों द्वारा पतियों के रिश्तेदारों, विशेषकर बुजुर्ग माता-पिता के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और क्रूरता के प्रविधानों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए कहा, क्रूरता शब्द का दुरुपयोग किया जा रहा है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुनाते हुए यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए (क्रूरता) और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा4 के तहत आरोपों से बरी कर दिया।

आपराधिक मामले के समय और इरादे पर विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालना पड़ता है

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

निर्णय में कहा गया कि मामले में एफआईआर पति द्वारा तलाक की याचिका दायर करने के लगभग एक साल बाद दर्ज की गई थी, जिससे आपराधिक मामले के समय और इरादे पर सवाल उठते हैं। विशिष्ट उदाहरणों के बिना क्रूरता को सरलता से स्थापित नहीं किया जा सकता।

बिना किसी विशेष तारीख, समय या घटना का उल्लेख किए इन धाराओं को जोड़ने की प्रवृत्ति अभियोजन के मामले को कमजोर करती है और शिकायतकर्ता की विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह उत्पन्न करती है।

विवाहित बहनों को आरोपित बनाया जा रहा है

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम इस बात से चिंतित हैं कि आईपीसी की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धाराओं तीन और चार के तहत शिकायतकर्ता पत्नियों द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुजुर्ग माता-पिता, दूर के रिश्तेदारों, और अलग रहने वाली विवाहित बहनों को आरोपित बनाया जा रहा है।

पुलिस रिपोर्ट में पति के हर रिश्तेदार को शामिल करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है पति के हर रिश्तेदार को शामिल करने की बढ़ती प्रवृत्ति से पत्नी या उसके परिवार के सदस्यों के कथनों पर गंभीर संदेह उत्पन्न होता है और इससे कानून के उद्देश्य विफल होता है।

इस मामले में पत्नी के क्रूरता और दहेज उत्पीड़न के आरोप अस्पष्ट हैं, जिनमें विशेष विवरण की कमी हैं और आरोपों के समर्थन में साक्ष्य भी नहीं हैं। कथित शारीरिक हमले के कारण गर्भपात के दावे का समर्थन करने के लिए चिकित्सा रिकॉर्ड भी पेश नहीं किया गया।

हवा में आरोप न लगाएं लग जाए हम आपराधिक शिकायत में गायब विशिष्टताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। हमें बताया गया है कि अपीलकर्ता की शादी पहले ही समाप्त हो चुकी है। तलाक की डिक्री अंतिम चरण में है, इसलिए अपीलकर्ता के खिलाफ आगे की अभियोजन केवल कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। निर्णय में कहा गया कि आरोप स्पष्ट होने चाहिए या हवा में आरोप न लगाएं जाएं।

यह है मामला

एक महिला ने मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न, दहेज की मांग और क्रूरता के आरोप लगाते हुए अलग हुए पति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दिसंबर 1999 में शिकायत दर्ज कराई। यह शादी एक साल भी नहीं टिक सकी थी।

महिला ने शारीरिक हमले का आरोप लगाया था। यह भी आरोप लगाया कि नौकरी छोड़ने के लिए दबाव डाला गया। हालांकि, अदालत ने देखा कि महिला और उसके पिता की गवाही के अलावा, आरोप का समर्थन करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य नहीं था इसलिए उसके माता-पिता विवाहित बहन को अपराधिक प्रकरण से मुक्त कर दिया।

आईपीसी की धारा 498ए में, पति या पति के रिश्तेदार द्वारा किसी महिला के साथ क्रूरता को अपराध माना जाता है। इस धारा में सजा का प्रावधान है और यह गैर-जमानती होती है। इस धारा का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके ससुराल में होने वाले अत्याचार और दहेज उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करना है।

धारा 498ए के मुख्य प्रावधान-

क्रूरता-

यह धारा पति या पति के रिश्तेदारों द्वारा महिला के साथ क्रूरता को अपराध मानती है, जिसमें शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक उत्पीड़न शामिल है.

दहेज की मांग-

यह धारा दहेज की मांग करने या किसी महिला को दहेज के लिए प्रताड़ित करने को भी क्रूरता के अंतर्गत मानती है।

सजा-

इस धारा के तहत दोषी पाए जाने पर 3 साल तक की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती है।

गैर-जमानती अपराध-

यह धारा एक गैर-जमानती अपराध है, जिसका मतलब है कि अदालत की अनुमति के बिना पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है।

संज्ञेय अपराध-

यह धारा एक संज्ञेय अपराध है, जिसका अर्थ है कि पुलिस बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के मामले की जांच कर सकती है।

अधिकार-

यह धारा महिलाओं को उनके ससुराल में होने वाले अत्याचार और दहेज उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करती है।

9 स्वस्थ खाने की युक्तियां जो सूजन को कम करने में मदद कर सकती हैं

सूजन शरीर को नुकसान से बचाने के तरीकों में से एक है। डॉ. आरती मेहरा ने बताया कि यह शरीर की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो यह स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। अधिक सूजनरोधी आहार का पालन करने से पुरानी सूजन को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

सूजन क्या है?

तीव्र सूजन हमारे शरीर की किसी चोट या संक्रमण के प्रति तीव्र प्रतिक्रिया है, जैसे कि आपकी उंगली में कट लगना। लालिमा, सूजन और दर्द तीव्र सूजन के बाहरी लक्षण हैं। ये संकेत हैं कि शरीर उपचार प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

क्रोनिक सूजन को कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियों से जोड़ा गया है जैसे-

» दिल की बीमारी » उच्च रक्तचाप
» कुछ कैंसर » पुराने दर्द » टाइप 2 मधुमेह
» चिंता » अवसाद » कुछ स्वप्रतिरक्षी स्थितियां
» मनोभ्रंश

सूजन का कारण क्या है?

ऐसे कई कारक हैं जो क्रोनिक सूजन में योगदान कर सकते हैं।

» आहार विकल्प » धूम्रपान और तम्बाकू का उपयोग
» व्यायाम की आदतें » नींद की मात्रा और गुणवत्ता
» शराब का उपयोग » लगातार वायरल या जीवाणु संक्रमण » हमारी हवा, पानी और भोजन में एलर्जी और पर्यावरण प्रदूषक » तनाव

आपके पूरे आहार का शरीर में पुरानी सूजन के स्तर पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। सूजन को कम करने में मदद करने के लिए स्वस्थ भोजन युक्तियां

1. खूब सारे फल और सब्जियां खाएं

हर दिन कम से कम छह, 1/2 कप सर्विंग की कोशिश करें। जितना हो सके उतने चमकीले रंग के उत्पाद शामिल करें। अलग-अलग रंगों के अलग-अलग फ़ायदे होते हैं।

2. उच्च फाइबर कार्बोहाइड्रेट चुनें

अत्यधिक प्रसंस्कृत, कम फाइबर वाले कार्बोहाइड्रेट का सेवन सीमित करें - जैसे कई सफेद आटे के उत्पाद (पास्ता, सफेद ब्रेड, इंग्लिश मफिन, बैगल्स, क्रैकर्स और मफिन), इंस्टेंट चावल, इंस्टेंट आलू और अधिकांश ठंडे अनाज।

अधिक उच्च फाइबर कार्बोहाइड्रेट चुनें। इसमें ब्राउन राइस जैसे साबुत अनाज, ब्रेड और पास्ता जैसे साबुत गेहूं के उत्पाद, जौ, जई, क्विनोआ, बकव्हीट और फैरो शामिल हैं। आप स्टार्च वाली सब्जियां भी चुन सकते हैं, जैसे शकरकंद, आलू, विंटर स्क्वैश, चुकंदर, मक्का, बीन्स और मटर।

3. अधिक फाइबर खाएं

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

» फाइबर हमारे पेट के स्वास्थ्य और इसलिए हमारे समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिदिन 25 ग्राम (महिलाओं के लिए) या प्रतिदिन 38 ग्राम (पुरुषों के लिए) लेने का प्रयास करें।

» फाइबर पौधों से मिलने वाले खाद्य पदार्थों से आता है। फाइबर दो प्रकार के होते हैं और अधिकांश फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ दोनों प्रकार के फाइबर का मिश्रण होते हैं।

» अघुलनशील फाइबर किसी भी पानी को अवशोषित नहीं करता है और मल को भारी बनाता है। यह आपके पाचन में मदद करता है और आपके मल त्याग को नरम और आसानी से पारित होने में मदद करता है। अघुलनशील फाइबर के उदाहरण हैं फलों और सब्जियों, नट्स और बीजों के छिलके, बीज और रेशेदार हिस्से और साबुत अनाज का चोकर।

» घुलनशील फाइबर पानी को अवशोषित करता है और एक जेल बनाता है। यह भोजन के बाद आपके रक्त शर्करा को स्थिर रखने में मदद करता है और आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है, जिससे भोजन अधिक संतोषजनक हो जाता है। यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने, हार्मोनल संतुलन को बढ़ावा देने और स्वस्थ मल त्याग का समर्थन करने में भी मदद करता है। उदाहरणों में बीन्स और अन्य फलियां, अलसी या चिया के बीज और जई जैसे साबुत अनाज शामिल हैं।

» दोनों प्रकार के फाइबर महत्वपूर्ण हैं, इसलिए प्रतिदिन अनुशंसित मात्रा प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के सम्पूर्ण वनस्पति खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करें।

4. पौधे-आधारित और कम वसा वाले पशु प्रोटीन स्रोतों का चयन करें

» प्रोटीन के ज़्यादा पौधे-आधारित स्रोत खाने की योजना बनाएं। इसमें सोया उत्पाद (टोफू, टेम्पेह, एडामे, सोया दूध), बीन्स, दाल, मेवे और बीज शामिल हो सकते हैं। मछली, चिकन और टर्की जैसे दुबले पशु प्रोटीन चुनें।

» लाल मांस को सीमित करने और प्रसंस्कृत मांस से बचने की कोशिश करें, और कम वसा वाले डेयरी उत्पादों का चयन करें। बारबेक्यू करते समय या मांस पकाते समय, जलने से बचें क्योंकि इससे ऐसे यौगिक बनते हैं जो सूजन को बढ़ा सकते हैं।

5. अपने वसा स्रोतों के प्रति सचेत रहें

» ज्यादातर समय एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल जैसे असंतृप्त वसा वाले खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल करें। उच्च तापमान पर खाना पकाने के लिए तटस्थ स्वाद वाले तेलों का इस्तेमाल करें, जैसे एवोकैडो तेल, एक्सपेलर-प्रेस्ड कैनोला या सूरजमुखी का तेल।

ट्रांस फैट से दूर रहें

» ये डीप फ्राई किए गए खाद्य पदार्थों और आंशिक रूप से हाइड्रोजनीकृत तेलों वाली किसी भी चीज़ में मौजूद होते हैं। इसके अलावा, संतृप्त वसा के अपने सेवन को सीमित करने का प्रयास करें। इनमें मक्खन, वसायुक्त मांस, मुर्गी की खाल, प्रसंस्कृत मांस, पनीर और अन्य उच्च वसा वाले डेयरी उत्पाद, नारियल तेल, ताड़ का तेल और कोकोआ मक्खन शामिल हैं।

6.आहार में ओमेगा-6 से ओमेगा-3 का अनुपात कम करें

» अपने आहार में ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। इनमें ओमेगा-3 से भरपूर अंडे और जंगली पकड़ी गई वसायुक्त मछलियां जैसे सैल्मन, मैकेरल, एंकोवी, सार्डिन और हेरिंग शामिल हैं। पौधे आधारित स्रोतों में अलसी के बीज, चिया के बीज, भांग के बीज और अखरोट शामिल हैं।

» ओमेगा-6 से भरपूर तेलों का सेवन सीमित करें। आमतौर पर, ये तेल मुख्य रूप से अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में मौजूद होते हैं, जिनमें सोयाबीन, कुसुम, मक्का, अंगूर के बीज और कपास के बीज के तेल शामिल हैं।

7. चीनी का सेवन कम करें

» अपने अतिरिक्त चीनी के सेवन को अपनी कुल

कैलोरी के 6 प्रतिशत से कम रखें। पुरुषों के लिए, इसका मतलब है कि प्रतिदिन 9 चम्मच (36 ग्राम) से अधिक नहीं। महिलाओं के लिए, अतिरिक्त चीनी की मात्रा को प्रतिदिन 6 चम्मच (24 ग्राम) से कम रखें।

» आप जो खाद्य पदार्थ खरीद रहे हैं, उसके लेबल पर चीनी की मात्रा की जांच करें। ध्यान रखें, 1 चम्मच चीनी लगभग 4 कैलोरी के बराबर होती है।

» सोडा, नींबू पानी, मीठी चाय, जूस और मीठी कॉफी जैसे मीठे पेय पदार्थों से बचें। मिठाई, पेस्ट्री, कैंडी और अन्य मिठाइयों का सेवन सीमित करें। अन्य खाद्य पदार्थ जिनमें अक्सर अतिरिक्त चीनी होती है जिसकी आप अपेक्षा नहीं कर सकते हैं, उनमें ब्रेड, सलाद ड्रेसिंग, मसाले, अनाज, दही, पास्ता सॉस, क्रैकर्स और चिप्स शामिल हैं। शहद और मेपल सिरप चीनी के कम परिष्कृत रूप हैं, लेकिन फिर भी उन्हें अतिरिक्त चीनी के रूप में गिना जाता है।

8. शराब का सेवन न करें

» शराब आंत के माइक्रोबायोम को बाधित करती है और क्रोनिक सूजन में योगदान दे सकती है। यदि आप शराब पीना चाहते हैं, तो अपनी औसत मात्रा प्रतिदिन एक ड्रिंक या उससे कम रखें।

9. अपने आहार में सूजनरोधी लाभ वाली चाय और मसाले शामिल करें

» काली, सफेद और हरी चाय एंटीऑक्सीडेंट और पॉलीफेनॉल से भरपूर होती हैं जो सूजन से लड़ने में मदद कर सकती हैं। कुछ हर्बल चाय, कई जड़ी-बूटियों और मसालों में ऐसे यौगिक भी होते हैं जो सूजन से लड़ने में मदद कर सकते हैं। उदाहरणों में रोजमेरी, लहसुन, अजवायन, अदरक, हल्दी, लौंग, जायफल, दालचीनी और लाल मिर्च शामिल हैं।

सूजन रोधी भोजन की कुंजी है निरंतरता

» ध्यान रखें कि एक भोजन स्वस्थ आहार को बना या बिगाड़ नहीं सकता - समय के साथ निरंतरता ही मायने रखती है। इन सुझावों को ध्यान में रखकर, आप एक स्वस्थ खाने का पैटर्न अपनाएंगे जो पुरानी सूजन और उससे जुड़ी कुछ स्वास्थ्य समस्याओं को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। खाद्य पदार्थ जो पानी के प्रतिधारण और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

» कुछ खाद्य पदार्थ प्राकृतिक रूप से पेट फूलने से राहत दिलाने वाले की तरह काम करते हैं। वे अतिरिक्त तरल पदार्थ को बाहर निकालने, सूजन को शांत करने और आपके पाचन को सुचारू रूप से चलाने में मदद करते हैं। और चिंता न करें - ये खाद्य पदार्थ बिल्कुल भी उबाऊ नहीं हैं। वे स्वादिष्ट होते हैं, आपके भोजन में शामिल करना आसान होता है, और आपको हल्का और अधिक सहज महसूस कराने में मदद कर सकते हैं।

निम्न खाद्य पदार्थ आज़माएं...

» **खीरा-** यह कुरकुरी हरी सब्जी आपके शरीर के

लिए एक ताज़ा पेय की तरह काम करती है। एंटीऑक्सीडेंट और पानी से भरपूर खीरा आपको हाइड्रेटेड रखता है और धीरे-धीरे आपके शरीर में जमा अतिरिक्त पानी को बाहर निकालने में मदद करताहै।

» **अदरक-** तीखा, गर्म और बेहद कम आंका जाने वाला अदरक सूजन के लिए अद्भुत काम करता है। यह आपके पाचन तंत्र को आराम देता है, गैस

को कम करता है और यहां तक कि पानी के प्रतिधारण को भी कम करता है। साथ ही, चाय से लेकर स्मूदी तक हर चीज में इसका स्वाद लाजवाब होता है।

» **अनानास** - अनानास रसदार और सूजन को कम करने के लिए बहुत अच्छा है। इसमें ब्रोमेलैन होता है, जो एक पाचन एंजाइम है जो प्रोटीन को तोड़ता है और सूजन को कम करता है।

» **शतावरी-** यह एक प्राकृतिक मूत्रवर्धक है, इसलिए यह आपके शरीर को अतिरिक्त पानी से छुटकारा पाने में मदद करता है और साथ ही आपके पेट को प्रीबायोटिक्स भी देता है। यह अधिक तरोताजा महसूस करने का आपका गुप्त हथियार है। हालांकि, इसका अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।

» **नींबू-** यह साइट्रस स्टार न केवल आपके पानी को चमकाता है - यह आपके पाचन में भी मदद करता है। नींबू का रस धीरे-धीरे डिटॉक्स और लीवर के काम में मदद करता है, जिससे आपके शरीर को स्वाभाविक रूप से अतिरिक्त तरल पदार्थ से छुटकारा पाने में मदद मिलती।

» **दही-** मलाईदार, तीखा और आपके पेट के लिए अच्छा, दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन में मदद करते हैं।

अहिल्याबाई ने महेश्वर को राजधानी क्यों बनाया था?

मध्य प्रदेश के मालवा में उज्जैन और महेश्वर की प्राचीन नगरों में गिनती होती है। प्राचीन ग्रंथो में अवंतिका (उज्जैन) और माहिष्मति (महेश्वर) का उल्लेख मिलता है। मान्यताओं के अनुसार राजा महिष्मान ने महेश्वर को बसाया था।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

महारानी देवी अहिल्या बाई होलकर 1735 में खंडेराव से विवाहित होकर इंदौर आ गई थीं, होलकर रियासत के प्रमुख मल्हारराव होलकर अहिल्या बाई के ससुर थे। अहिल्या बाई ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे थे। इंदौर में आने के बाद 1754 में पति, 1766 में ससुर, पुत्र और सास का निधन हो गया था। इतने संकट एक नगर में रहकर झेलने के कारण अहिल्या बाई का इंदौर से मोहभंग हो गया था।

उन्होंने एकांत में जाकर रहने का विचार किया। मन की शांति के लिए अहिल्या बाई ने हिमालय के किसी स्थान पर जाकर रहने का भी विचार किया था, पर स्वभाव और कर्म से अत्यंत धार्मिक प्रवृत्ति की होने की वजह से अहिल्या बाई ने आसपास में ही किसी धार्मिक स्थान को ही अपनी राजधानी बनाने का विचार किया। इसमें महेश्वर उन्हें पौराणिक और ऐतिहासिक दृष्टि से सबसे श्रेष्ठ लगा, इसलिए उसे चुन लिया।

राजधानी के लिए इन स्थानों को देखा

देवी अहिल्या बाई नर्मदा नदी को अत्यधिक महत्व के साथ पवित्र मानती थीं। नर्मदा के किनारे के स्थानों पर राजधानी के लिए स्थान की खोज आरंभ हुई। प्राचीन ग्रंथों में वर्णित मर्दाना, जो निमाड़ में था, वह स्थान अहिल्या बाई को उचित लगा पर ज्योतिषों ने इस स्थान को उचित नहीं माना। महेश्वर को सभी मानकों पर उचित मानकर 1766 में राजधानी बनाने का निर्णय लिया गया था।

महेश्वर का यह है महत्व

मध्य प्रदेश के मालवा में उज्जैन और महेश्वर की प्राचीन नगरों में गिनती होती है। प्राचीन ग्रंथो में अवंतिका (उज्जैन) और माहिष्मति (महेश्वर) का उल्लेख मिलता है। मान्यताओं के अनुसार राजा महिष्मान ने महेश्वर को बसाया था। राजा सहस्त्राजुर्न के अनुपदेश की राजधानी महेश्वर रही है। आदि शंकराचार्य और मंडन मिश्र का शास्त्रार्थ नर्मदा के किनारे इस क्षेत्र में हुआ था। हैहयवंशी राजाओं ने यहां राज किया, चालुक्यों के राज्य का यह प्रसिद्ध नगर था। मांडव के सुलतानों ने इस नगर पर विजय प्राप्त कर ली थी। 1422 में अहमदशाह ने हुशंगशाह से यह छीन लिया था। अकबर के कार्यकाल में महेश्वर का महत्व था।

ससुर मल्हारराव ने मुगलों से छिना था महेश्वर

1730 में श्रीमंत मल्हारराव होलकर ने महेश्वर को मुगलों से छीनकर अपने अधिकार में ले लिया था। 1745 में मल्हारराव होलकर ने महेश्वर में विशेष सुविधाएं देने के साथ भवनों के निर्माण का आदेश दिया था। महेश्वर को लेकर एक मान्यता यह भी है कि रावण सहस्त्रबाहु की राजधानी महेश्वर में आया था। अपना पराक्रम दिखने के लिए उसने अपनी भुजाओं से नर्मदा का जल प्रवाह रोकने की कोशिश की थी, पर जल उसकी भुजाओं से निकल गया था, इसलिए महेश्वर में कुछ दूरी पर नर्मदा नदी का सहस्त्रधारा स्थान है।

महेश्वर के विकास पर ध्यान

देवी अहिल्या बाई ने 1766 में महेश्वर को होलकर राज्य की राजधानी बना दिया था। राजधानी बनने से महेश्वर के विकास के द्वार खुल गए थे। राजधानी बनने के बाद महेश्वर का समुचित विकास हुआ। देवी अहिल्या बाई ने नर्मदा किनारे सुंदर घाट और कई मंदिरों का निर्माण और पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया था। मंदिर के निर्माण के लिए महेश्वर में देश भर से कई शिल्पियों, कारीगरों को महेश्वर में बसाया। स्थानीय लोगों को कार्य के लिए निमाड़ में कपास की अधिकता को देखते हुए महेश्वर में वस्त्र उद्योग आरंभ करवाया जो आज देश भर में महेश्वरी साड़ी के नाम से पहचाना जाता है।

विद्वानों को महेश्वर में बसाया

पूना और महेश्वर का करीबी रिश्ता था, इसलिए महेश्वर राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र था। राज्य में कई कानूनविद् आकर बस गए थे। कई धार्मिक विद्वानों को नगर में बसाया गया था। अहिल्या बाई ने संपूर्ण देश के विद्वानों को महेश्वर में नर्मदा तट पर संरक्षण दिया। इनमें प्रमुख मल्हार भट्ट मुल्ये, जानोबा पुराणिक, रामचंद्र रानाडे, काशीनाथ शास्त्री, दामोदर शास्त्री, निहिल भट्ट, भैया शास्त्री, मनोहर बर्वे, गणेश भट्ट, त्रियंबक भट्ट, महंत सुजान गिरि, गोस्वामी हरिदास, आनंद राम प्रमुख थे।

महेश्वर का रमणीय माहौल और छटा निराली

महेश्वर के सुंदर भवन, मंदिर और नर्मदा घाट वास्तुकला के सुंदर उदाहरण हैं। यहां का रमणीय माहौल और महेश्वर की छठा निराली है। अहिल्या बाई के कार्यकाल में निर्मित राजभवन, गादी और कई स्थल आज भी महेश्वर में मौजूद हैं, जो देवी अहिल्या बाई की गाथा को मानो सुना रहे हैं।

अहिल्या बाई के इंदौर प्रवास को लेकर मतभेद

देवी अहिल्या बाई विवाह के बाद कब इंदौर आईं थीं और यहां कितने वर्ष रही थीं तथा मल्हारराव होलकर किस स्थान से होलकर राजवंश की सत्ता का संचालन करते थे, इसे लेकर इतिहासकारों में मतभेद है। उन्होंने राजधानी इंदौर, भानपुरा, महेश्वर और पुनः इंदौर बनाई थी, इसलिए अहिल्या बाई कितने समय इंदौर रही यह स्पष्ट नहीं है। महेश्वर राजधानी बनाए जाने के बाद उनकी इंदौर के हालचाल जानने के लिए यहां की यात्रा का उल्लेख अवश्य मिलता है।

इस सप्ताह आपके सितारे
28 मई 2025 से 3 जून 2025

किसी का रुका धन मिलेगा तो किसी का व्यय अधिक होगा

मेष- किसी व्यक्ति के सहयोग एवं अच्छे व्यवहार से मन को खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पिता को अल्पकष्ट संभव। संतान पक्ष पीड़ित करेगा। व्यय होगा। कारोबार ठीक-ठीक रहेगा। जीवनसाथी का शारीरिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार अच्छा रहेगा।

वृषभ- अपने शारीरिक स्वास्थ्य पर इस सप्ताह विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार ठीक चलेगा। आवक भी अच्छी होगी किन्तु व्यय भी अधिक होंगें। संतान पक्ष से कुछ कष्ट संभव है। प्रेम संबंध अच्छे रहेंगें। वाहन सुख उत्तम है। सप्ताह अच्छा है।

मिथुन- इस सप्ताह प्रेम संबंधों के मामलों में सजग रहें, अन्यथा कष्ट होगा। मानसिक तनाव ज्यादा रहेंगें। संतान पक्ष धनात्मक है। कारोबार मध्यम रहेगा। आय कम किन्तु व्यय ज्यादा होंगें। माता को कष्ट संभव है। विवादों से बचें। वाहन सावधानी पूर्वक चलावें।

कर्क- इस सप्ताह अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह श्रेष्ठ है। आय भी अच्छी होगी। प्रेम संबंध भी अच्छे रहेंगें। घर में कोई मंगल कार्य होगा। वाहन सावधानी से चलावें। भूमि का लेन-देन न करें। शेयर/ सट्टाबाजी में सतर्क रहें।

सिंह- कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अल्प न्यून रहेगा। आवक मध्यम होगी। शत्रु पीड़ित कर सकतें हैं। मित्रों का वांछित सहयोग नहीं मिलेगा। काफी समय से चली आ रही समस्या का हल संभव है। सप्ताह में 28 को सावधान रहें।

कन्या-इस सप्ताह संतान पक्ष कुछ पीड़ित कर सकता है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा रहेगा। आय अच्छी होगी। कोई विवाद भी निपट सकता है। माता का स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। वाहन से कष्ट संभव है। प्रेम संबंध धनात्मक रहेंगें।

तुला- इस सप्ताह किसी विवाद में पड़ सकते हैं। अतः सावधान रहें। जीवनसाथी का सहयोग उत्तम मिलेगा। प्रेम संबंध काफी अच्छे रहेंगें। शत्रु अवश्य कष्ट दे सकते हैं। कारोबार भी अमूमन ठीक रहेगा। संतान से कष्ट संभव है। अपने स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक- जीवनसाथी के स्वास्थ्य और व्यवहार की दृष्टि से यह सप्ताह अशुभ है। प्रेम संबंध बिगड़ सकते हैं। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। रुका हुआ कुछ धन प्राप्त हो सकता है। किसी का व्यवहार कष्ट देगा। कारोबार ठीक-ठीक रहेगा। वाहन सुख उत्तम है। पिता का सहयोग मिलेगा।

धनु- इस सप्ताह आप अपने शारीरिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। बेवजह के विवादों से बचें। भूमि संबंधी कार्य कष्ट दे सकते हैं। संतान पक्ष अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। कोई बहुप्रतीक्षित कार्य होगा। कारोबार की दृष्टी से सप्ताह धनात्मक है।

मकर- इस सप्ताह माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी पर आंख मींच कर भरोसा न करें। संतान पक्ष कुछ परेशान कर सकता है किन्तु जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा। आवक अच्छी होगी। कोई रुका हुआ पैसा प्राप्त होगा।

कुंभ- यात्रा के योग बन सकते हैं। किन्तु उसे टालें। नौकरी अथवा व्यापार में कुछ ऋणात्मकता दिखाई देगी। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। संतान पक्ष की तरफसे पर्याप्त सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध फले-फूलेंगे। आवक मध्यम।

मीन- कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह श्रेष्ठ है। किसी रुके हुए कार्य के होने से खुशी होगी। जीवनसाथी का व्यवहार अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में सुधार होगा। संतान पक्ष आंशिक रूप से पीड़ित कर सकता है। बेवजह के विवादों में न पड़ें। वाहन सुख उत्तम।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ **सूर्य** - सूर्य मेष ■ **चंद्र** -वृश्चिक से मकर ■ **मंगल** - कर्क ■ **बुध**-मीन ■ **गुरु** - वृषभ ■ **शुक्र** - मीन ■ **शनि** - मीन ■ **राहु**- मीन ■ **केतु**-कन्या

अब साल में 180 दिन चलती है हीट वेव...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

भोपाल के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के विस्तृत रिसर्च ने प्रदेश की गर्मी की गंभीरता को लेकर चौंकाने वाले तथ्य उजागर किए हैं। जिसके अनुसार साल 1980-90 के बीच 120 दिन हीट वेव (लू) चली। जो चार दशक पर बाद साल 2013 से साल 2024 में 50त्न बढ़कर 180 दिन तक दर्ज की गई। वहीं इसी समय काल में नो डिस्कम्फर्ट यानी बिना असुविधा वाले दिन 83 से घटकर 48 रह गए। इसकी प्रमुख वजह तेजी से होते शहरीकरण को बताया गया है।

इस रिसर्च को प्रमुख प्रस्तुतकर्ता डॉ. विकास पूनिया और थीसिस तैयार करने वाले एमटेक के छात्र हिमांशु झारिया ने किया। इन्होंने मध्यप्रदेश के 7 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, उज्जैन और सतना के साल 1980 से 2024 तक की गर्मी और हीट वेव से जुड़े आंकड़ों का अध्ययन किया। जिसके बाद यह तथ्य सामने आए हैं।

डॉ. पूनिया के अनुसार, प्रदेश में भोपाल और इंदौर दो शहर हैं, जहां अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट देखा जा रहा है। यानी जब शहरीकरण तेजी से बढ़ता है तो हरियाली कम होती है। इससे उस क्षेत्र में गर्मी का असर बढ़ता है। चारो ओर कॉन्क्रीट होने पर हीट एक दायरे में कैद हो जाती है और हीट आइलैंड बन जाता है।

सबसे अधिक खतरा मध्य प्रदेश में

डॉ. विकास पूनिया ने बताया कि शहरी इलाकों में जनसंख्या घनत्व, सीमेंट की संरचनाएं और हरियाली की कमी के कारण अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट बना है। जिससे गर्मी और भी ज्यादा महसूस होती है। साल 2025 में 11 मार्च से 24 अप्रैल तक मध्य प्रदेश में हीट वेव 25 दिन दर्ज हुई। इतने ही दिन हीट वेव राजस्थान में देखी गई। यह देश में सर्वाधिक है।

ऐसी रिसर्च जरूरी

डॉ. पूनिया के अनुसार, भारत में 2024 की गर्मियों में हीट स्ट्रोक के 40,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए। 2050 तक हर क्षेत्र में हीट वेव की गंभीरता और अवधि दोनों बढ़ने की संभावना है। यह रिसर्च न सिर्फ चेतावनी है, बल्कि नीति निर्माताओं के लिए एक मार्गदर्शक भी है कि कैसे शहरों को हीट वेव से बचाने की तैयारी की जाए।

क्या हो सकते हैं उपाय?

- शहरों में ग्रीन कवर बढ़ाना
- समय रहते पूर्वानुमान के लिए एडवांस एआई आधारित मॉडल तैयार करना
- शहर-वार हीट एक्शन प्लान बनाना
- स्कूल और अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थलों पर कूलिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपनाना
- हीट वेव के कुछ प्रमुख दुष्प्रभाव
- निर्जलीकरण: अत्यधिक पसीना आने से शरीर में पानी और जरूरी खनिजों (इलेक्ट्रोलाइट्स) की कमी हो जाती है। इससे कमजोरी और चक्कर लक्षण दिखते हैं।
- हीट एग्जॉस्टेशन: यह डिहाइड्रेशन का गंभीर रूप है, जिसमें बहुत ज्यादा पसीना आता है, त्वचा ठंडी और चिपचिप महसूस होती है, मतली, उल्टी, सिरदर्द, कमजोरी और मांसपेशियों में ऐंठन हो सकती है।
- लू लगना: यह हीट वेव का सबसे खतरनाक असर है और यह जानलेवा हो सकता है। इसमें शरीर का तापमान 104°F (40°C) या उससे अधिक हो जाता है, त्वचा गरम और सूखी या बहुत ज्यादा पसीने से लथपथ हो सकती है। भ्रम, बेहोशी, दौरे पड़ना और यहां तक कि कोमा भी हो सकता है। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है।
- मांसपेशियों में ऐंठन: पसीने के जरिए शरीर से नमक और पानी की कमी होने पर मांसपेशियों में दर्दनाक ऐंठन हो सकती है, खासकर पैरों, बाजुओं और पेट में।

थकान और कमजोरी- लगातार गर्मी के कारण शरीर थका? हुआ हो जाता है।

अब सामूहिक विवाह में उत्तर प्रदेश सरकार सिंदूर भी दान देगी

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

पाकिस्तान पर सेना द्वारा किए ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी सरकार ने बड़ा एलान किया है। अब प्रदेश में सामूहिक विवाह योजना में कन्याओं को सरकार की तरफ से सिंदूरदान भी दिया जाएगा। इसके लिए शासनादेश भी जारी कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। अब सामूहिक विवाह योजना के तहत मिलने वाले उपहारों में कन्या को सिंधौरा (सिंदूरदान) भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं लाभ लेने के लिए कन्या पक्ष की अधिकतम आय सीमा भी दो लाख रुपये से बढ़ाकर तीन लाख रुपये कर दी गई है। प्रति

जोड़ा खर्च 51 हजार रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये किए जाने का शासनादेश भी जारी किया गया है।

शासनादेश के अनुसार, कन्या के अभिभावक का यूपी का मूल निवासी होना चाहिए। विवाह योग्य आयु की पुष्टि के लिए स्कूल का रिकॉर्ड, जन्म प्रमाणपत्र, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड और आधार कार्ड मान्य होंगे। योजना में निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांग अभिभावक की पुत्री व दिव्यांग बेटी को प्राथमिकता दी जाएगी।

भाजपा ने कर्नाटक के दो विधायक निकाले

भाजपा ने कर्नाटक के दो विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का दोषी पाया और छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। भाजपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में विधायक एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार को पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। एसटी सोमशेखर पर राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने और शिवराम हेब्बार पर राज्यसभा चुनाव में मतदान के समय अनुपस्थित रहने का आरोप है। इसे लेकर कर्नाटक में भाजपा के मुख्य सचेतक ने दोनों विधायकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

पहली बार इंदौर की बसों में लगेगा ड्राइवर मैनेजमेंट सिस्टम

यह सिस्टम ड्राइवर सीट के सामने लगा रहेगा

सिस्टम से इस बात का पता चल जाएगा की ड्रायवर किस स्थिति में है

अगर ड्रायवर नशे में तो सिस्टम कंट्रोल रूम को अलर्ट कर देगा

जीपीएस से एडवांस टेक्नालॉजी वाला सिस्टम है डीएमएस

देश के किसी भी शहर की बसों में यह सिस्टम लागू नहीं है

राइजिंग इन्दौर
■ विपीन नीमा

इंदौर। बस दुर्घटनाओं को रोकने तथा बस ड्राइवर के व्यवहार का पता लगाने के लिए डीएमएस यानी ड्राइवर मैनेजमेंट सिस्टम अपनाया जा रहा है। इंदौर देश का पहला ऐसा शहर होगा जहां नई टेक्नोलॉजी के साथ बसों में ये सिस्टम लगाया जा रहा है। बसों में ड्राइवर मैनेजमेंट सिस्टम लगाने से बसों के संचालन में सुधार और सुरक्षा में वृद्धि होगी। यह सिस्टम ड्राइवर्स की निगरानी, ट्रैकिंग और प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करता है। यात्री बसों में लगने वाला यह सिस्टम देश के किसी भी शहर में नहीं है। पूरे देश में पहली बार इस नए सिस्टम को इंदौर में लागू किया जा रहा है। इसके लिए आईसीटीएसएल (अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड) ने टेंडर भी जारी कर दिया है। प्रारंभिक चरण में इंदौर की सड़कों पर दौड़ रही 450 बसों में से 30 बसों में ड्राइवर मैनेजमेंट सिस्टम लगाया जाएगा। डीएमएस की लागत प्रति बस ढाई से तीन लाख रुपये तक हो सकती है, जिसमें हार्डवेयर और सॉफ़्टवेयर दोनों शामिल हैं। डीएमएस, जीपीएस से एडवांस टेक्नोलॉजी वाला सिस्टम है।

सीट पर बैठने से पहले ड्रायवर को देना होगा अल्कोहल टेस्ट

अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड द्वारा देश में पहली बार बसों में लगाए जाने हेतु यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टेंडर निकाले गए हैं। इस सिस्टम से यह पता रहेगा ड्राइवर की मॉनिटरिंग की जा सकेगी जिसमें अगर वह सामने ना देखते हुए इधर-उधर देखता है या फोन पर बात करता है या बैगासी लेता है या उसे नींद आती है तो इसका अलर्ट तुरंत कंट्रोल रूम पर बताया जाएगा जिससे उसे सचेत किया जा सकता है एवं ब्लोअर के थ्रू गाड़ी में बैठने से पहले उसे अल्कोहल टेस्ट करना पड़ेगा जिससे यह गाड़ी अगर अल्कोहल डिटेक्ट करती है तो गाड़ी इग्नाइट ही नहीं होगी इसका प्रयोग बस में पहली बार किया जावेगा।

बसों में सिस्टम के लिए आईसीटीएसएल ने जारी किया टैंडर

इंदौर की सड़कों पर दौड़ रही लगभग 450 बसों में डीएमसी को लागू करने के लिए आईसीटीएसएल ने टैंडर जारी कर दिए है। टैंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूरे सिस्टम को लेकर अध्ययन किया जाएगा। बताया गया है की पूरे देश में यह सिस्टम पहली बार लागू हो रहा है। वर्तमान में देश के किसी भी शहर में बसों से डीएमएस नहीं लगा है। इंदौर ही एकमात्र ऐसा शहर होगा जहां सबसे पहले यह सिस्टम लागू होगा। सीट पर बैठते ही ड्रायवर के बारे में पता चल जाएंगा की वह बस चलाने के लिए फिट है या नहीं।

ड्राइवर को उनकी थकान या ध्यान भंग होने पर अलर्ट करता है

आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम ड्राइवर्स की गतिविधियों को ट्रैक करता है, जैसे कि उनकी गति, त्वरण, ब्रेक लगाना, और यातायात नियमों का पालन करना आदि शामिल है। इसी प्रकार ड्रायवर निगरानी प्रणाली के तहत ड्राइवर को उनकी थकान या ध्यान भंग होने पर अलर्ट करता है। संचार प्रणाली यह एक ऐसी प्रणाली है जो ड्राइवरों और कार्यालय के बीच दो-तरफा संचार की सुविधा प्रदान करता है। ड्राइवर शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर ड्राइवरों के शेड्यूल को प्रबंधित करने, मार्गों को अनुकूलित करने और वास्तविक समय में ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करने मदद करता है। सार्वजनिक परिवहन बसों, और निजी बसों में उपयोग किया जा सकता है।

ड्राइविंग सीट के सामने लगा होता है डीएमएस

ड्राइविंग सीट के सामने डीएमएस (ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम) लगा होता है। यह सिस्टम एक कैमरा और सेंसर का उपयोग करके ड्राइवर की स्थिति की निगरानी करता है। और उनींदापन का पता लगाना, डीएमएस ड्राइवर के चेहरे, ड्राइवर की थकान, आंखों और शरीर की गतिविधियों का विश्लेषण करके थकान या उनींदापन के संकेतों का पता लगाता है। यह सिस्टम यह भी पता लगाता है कि क्या ड्राइवर नशे में है, इसका ध्यान सड़क से हट रहा है, बस चलाते समय मोबाइल पर बात कर रहा है या कोई अन्य गतिविधि कर रहा है। डीएमएस का उपयोग सार्वजनिक परिवहन जैसे बसें, ट्रेनें, टेक्सी और अन्य सार्वजनिक वाहन शामिल है। इसी प्रकार निजी वाहन स्वामी भी अपने निजी वाहनों में डीएमएस का उपयोग कर सकते है।

आ गया मानसून... जल भराव के लिए शहर है तैयार...

कहीं निर्माण अधूरा पड़ा है तो कहीं पर कर दिया है बड़ा गड्ढा

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मानसून के आने की आहट हो गई है। इसके बाद भी इंदौर शहर में कोई तैयारी नहीं है। इस मानसून में भी शहर की सड़कों पर पानी का जमाव हो इसके लिए पूरी व्यवस्था कर दी गई है। कहीं पर निर्माण अधूरा पड़ा है तो कहीं पर बड़े-बड़े गड्ढे खोद दिए गए हैं।

केरल के तट पर मानसून पहुंच चुका है इंदौर में दस जून तक मानसून की गतिविधियां शुरू हो जाती है, लेकिन फिलहाल शहर मानसून के स्वागत के लिए तैयार नहीं है। कई जगह प्रमुख सड़कों पर लाइनों के लिए गड्ढे खोदे गए है। इसके अलावा सड़कों का निर्माण भी तय समयसीमा में पूरा नहीं हो पाया है। इस कारण बारिश के दौरान जलजमाव जैसे हालात पैदा हो सकते है।

पिछले साल इंदौर में चार इंच बारिश के दौरान जलजमाव के कारण सड़कों पर ट्रैफिक जाम हो गया था और घरों में पानी भर गया था। उसके बाद नगर निगम ने 20 से ज्यादा जलजमाव वाले क्षेत्रों में स्टार्म वाटर लाइन के प्रबंध किए थे, लेकिन अब फिर शहर के कई

इलाकों में निर्माण कार्य के कारण परेशानी खड़ी हो सकती है। आरएनटी मार्ग, विजय नगर सड़क पर लाइन के कारण गड्ढे खोदे गए है। खजराना मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। आरएनटी मार्ग, मधुमिलन चौराहा पर भी पाइप लाइन के लिए बड़ा गड्ढा खोदा गया है। विजय नगर चौराहे के पास भी बड़ा गड्ढा दो दिन पहले खोदा गया है। इस कारण ट्रैफिक भी बीआरटीएस लेन पर डायवर्ट किया गया है।

नाले भी नहीं हुए साफ

शहर में 30 छोटे बड़े नाले है। प्रमुख नालों की सफाई तो नगर निगम ने कर दी, लेकिन अधिकांश छोटे नाले साफ नहीं हो पाए। यह नाले ज्यादातर बसाहट के आसपास है। बारिश में नालों का प्राकृतिक बहाव अवरुद्ध हो जाता है। इससे बस्तियों में पानी घुसने लगता है।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।